www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 234 | जौनपुर मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अशोक खरात पर ईडी का शिकंजा, नासिक समेत 11 ठिकानों पर छापेमारी

मुंबई, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नासिक के तथाकथित श्गॉडमैनश अशोक खरात के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को नासिक समेत लगभग 11 ठिकानों पर छापे मारे गए। इस दौरान ईडी ने तलाशी अभियान भी चलाया। ईडी के अधिकारियों ने जानकारी दी कि अशोक खरात, प्रकाश पोफले और अन्य रिश्तेदारों से जुड़े आवासीय और व्यावसायिक परिसरों के साथ–साथ सहकारी ऋण समितियों की संबंधित शाखाओं की जांच की जा रही है। इस संबंध में सोमवार को नासिक में पांच और पुणे व शिरडी में तीन–तीन परिसरों में तलाशी अभियान चलाया गया। ईडी ने नासिक सैक्स स्कैंडल केस के मुख्य आरोपी अशोक खरात के खिलाफ पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के अंतर्गत पिछले हफ्ते मुकदमा दर्ज किया था। यह मामला सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में 25 मार्च को दर्ज एफआईआर के आधार पर दर्ज किया गया। अशोक खरात और अन्य पर महिलाओं समेत निर्दोष पीड़ितों से जबरन वसूली, धार्मिक हेरफेर, नशीली दवाओं के प्रभाव में हमला आदि के आरोप हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि अशोक खरात ने नासिक जिले स्थित दो सहकारी ऋण समितियों में विभिन्न तृतीय पक्षों के नाम पर कई बैंक खाते खोले हैं, लेकिन वह उन सभी खातों में नॉमिनी के रूप में दर्ज था। उसने इन सभी फर्जी खातों में अपना मोबाइल नंबर भी जोड़ा है, ताकि इन खातों के संचालन पर नियंत्रण रख सके।

जदयू ने पार्टी सांसदों के लिए जारी किया तीन–लाइन का व्हिप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र 16 अप्रैल से शुरू होगा, जिसमें केंद्र सरकार महिला आरक्षण विधेयक पेश करेगी। इस विशेष सत्र को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में अपने सभी सांसदों के लिए तीन–लाइन का व्हिप जारी किया है। जदयू ने सभी सांसदों को निर्देश दिया है कि वे 16 से 18 अप्रैल तक होने वाले संसद के विशेष सत्र के दौरान संसद में मौजूद रहें। सभी सदस्यों को सरकार के पक्ष का समर्थन करने का भी निर्देश दिया गया है। पार्टी ने लिखा, ष्जनता दल यूनाइटेड के सभी लोकसभा सदस्यों को सूचना दी जाती है कि 16, 17 और 18 अप्रैल को लोकसभा में कुछ अति महत्वपूर्ण विधायी कार्य चर्चा और पारित कराने के लिए लाए जाएंगे। अतः सभी लोकसभा सदस्यों से आग्रह है कि वे 16, 17 और 18 अप्रैल को पूरे समय सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सरकार के पक्ष का समर्थन करें।ष गौरतलब है कि नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में शामिल जदयू के अभी लोकसभा में 12 और राज्यसभा में चार सांसद हैं। इससे पहले, रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी सांसदों के लिए तीन–लाइन का व्हिप जारी किया था।

महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। इस कार्यक्रम का आयोजन ऐसे समय में किया जा रहा है जब सरकार ने आगामी 16–18 अप्रैल तक तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के गायन के साथ हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर बोलते हुए और महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा, देश की विकास यात्रा के अहम पड़ावों के बीच भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक निर्णय लेने जा रहा है। यह फैसला नारी शक्ति को और नारी शक्ति वंदन को समर्पित है। हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। यह इतिहास अतीत की संकल्पनाओं को साकार करेगा और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। पीएम मोदी ने कहा, यह एक ऐसे समतामूलक भारत के निर्माण का संकल्प है, जहां सामाजिक न्याय सिर्फ नारा नहीं हो। लेकिन हमारी कार्यसंस्कृति, हमारी निर्णय प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हो। राज्यों की विधानसभाओं से लेकर देश की संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय 16, 17 और 18 अप्रैल है। उन्होंने आगे कहा, 2023 में नई संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में प्रथम कदम उठाया था। वह समय से लागू हो सके, महिलाओं की भागीदारी हमारे लोकतंत्र को मजबूती दे, इसके लिए 16 अप्रैल से संसद के बजट सत्र की विशेष बैठक का आयोजन होने जा रहा है। आज इस कार्यक्रम के जरिए हमें देश की कोटि–कोटि माताओं–बहनों का आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मैं भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है। इश विमर्श को चार दशक यानी चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कई पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम आया था, तब सभी दलों ने एक सुर में इसे पारित कराया था। इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार के दौरान महिलाओं को लेकर जमीनी स्तर पर कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में विदेश मंत्री से लेकर वित्त मंत्री तक के बड़े पदों पर महिलाएं रहीं। उन्होंने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि मोदी सरकार के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में मुझे भी काम करने का मौका मिला है। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम

राष्ट्रीय निर्माण की नई और प्रेरक गाथा का उत्सव है। यह वह पावन क्षण है, जब संकल्प, समर्पण और सफलता का संगम हमारे सामने साकार हो रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम हमारी मातृशक्ति के वर्षों के संघर्ष और साधना की लोकतांत्रिक सिद्धि का महापर्व है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस सम्मेलन के आयोजन का मकसद पंचायतों से लेकर संसद तक, सभी स्तरों पर शासन और नेतृत्व में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करना है। महिला आरक्षण कानून में प्रस्तावित संशोधन पर चर्चा के लिए बुलाए गए विशेष संसद सत्र से पहले पीएम नरेंद्र मोदी विज्ञान भवन में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में शिरकत करते हुए महिला आरक्षण को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराएंगे।

मुंबई से बेंगलुरु के बीच चलेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, यात्रा होगी आरामदायक : सीएम फडणवीस

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जानकारी दी है कि मुंबई से बेंगलुरु के बीच नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया है। सीएम फडणवीस ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश के जरिए दी। यह नई ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) मुंबई से केएसआर बेंगलुरु सिटी जंक्शन तक चलेगी। यह सेवा खास तौर पर इन दो बड़े शहरों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए गेम–चेंजर साबित होगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह वंदे भारत स्लीपर ट्रेन रातभर की यात्रा को तेज और आधुनिक बनाएगी। अभी जहां पारंपरिक ट्रेनों जैसे उद्यान एक्सप्रेस से यह सफर पूरा करने में 22 से 24 घंटे लगते हैं, वहीं इस नई ट्रेन के जरिए यात्रा का समय घटकर करीब 13 से 15 घंटे रह जाएगा। इस ट्रेन का संभावित रूट भी तय किया जा रहा है। फिलहाल यह पुणे, सोलापुर, कलबुर्गी और वाडी होते हुए चल सकती है। खासतौर पर कलबुर्गी वाला रूट ज्यादा पसंद किया जा रहा है क्योंकि यह 1,136 किलोमीटर का छोटा और पूरी तरह से विद्युतीकृत मार्ग है। ट्रेन की बनावट भी बेहद आधुनिक होगी। इसमें कुल 16 एसी कोच होंगे, जिनमें 823 यात्रियों के बैठने और सोने की सुविधा होगी। इनमें 11 एसी 3–टियर कोच, 4 एसी 2–टियर कोच और 1 एसी फर्स्ट क्लास कोच शामिल होगा। खास बात यह है कि फर्स्ट क्लास कोच में यात्रियों के लिए हॉट वॉटर शावर जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। सरकार का मानना है कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन न केवल यात्रा को तेज बनाएगी बल्कि यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं भी देगी। इससे मुंबई और बेंगलुरु के बीच यात्रा करना अब पहले से कहीं ज्यादा आरामदायक और यादगार अनुभव होगा।

श्रमिक हितों से समझौता स्वीकार्य नहीं, श्रम कानूनों का पालन करें औद्योगिक इकाईयां : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं और नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शनों का संज्ञान लिया। अफसरों को निर्देशित किया कि औद्योगिक संगठनों, उद्योग प्रतिनिधियों और इकाई प्रबंधन से बात करके 24 घंटे में उनकी समस्याओं का समाधान करें। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि प्रत्येक श्रमिकों के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्हें सम्मानजनक मानदेय मिलना चाहिए। अतिरिक्त कार्य के लिए नियमानुसार पारिश्रमिक दिया जाए। कार्यस्थल पर सुरक्षित

वातावरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विश्रामगृह, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना प्रत्येक औद्योगिक इकाई की अनिवार्य जिम्मेदारी है।सीएम ने कार्य घंटों के नियमन, महिला श्रमिकों की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। श्रम विभाग को निर्देश दिए कि वह स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करके बातचीत करे। श्बड़ी, मध्यम एवं सूक्ष्मश सभी प्रकार की औद्योगिक इकाइयों के साथ नियमित संवाद सुनिश्चित किया जाए। ताकि, समस्याओं का समाधान प्रारंभिक स्तर पर ही हो सके।सीएम ने कहा कि कई बार बाहरी तत्व स्वयं को श्रमिक प्रतिनिधि बताकर अव्यवस्था उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। ऐसे तत्वों की पहचान करके उन्हें प्रक्रिया से अलग रखा जाए। हालिया कुछ प्रदर्शनों में ऐसे विघटनकारी तत्व शामिल हो सकते हैं। इससे औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतते हुए खुफिया तंत्र को सक्रिय करें। किसी भी प्रकार की भड़काऊ या अव्यवस्था फैलाने वालों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। बैठक में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान तथा श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर उपस्थित रहे।

सीएम भजनलाल शर्मा करेंगे पचपदरा रिफाइनरी का निरीक्षण

जयपुर, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को राजस्थान के बालोतरा का दौरा करेंगे। वे पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी की निर्धारित यात्रा को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे और तैयारियों का जायजा लेंगे। सीएमओ के अधिकारियों ने पुष्टि की कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दोपहर में पचपदरा रिफाइनरी पहुंचकर स्थल का निरीक्षण करेंगे। वे दोपहर से 2 बजे तक परियोजना की प्रगति, सुरक्षा व्यवस्था, जनसभा स्थल, हेलीपैड सुविधाओं और अन्य प्रमुख तैयारियों का मूल्यांकन करेंगे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ रहेंगे। पिछले दो महीनों में प्रधानमंत्री मोदी का राजस्थान का यह

दूसरा दौरा होगा। इससे पहले, 28 फरवरी को उन्होंने अजमेर का दौरा किया था, जहां उन्होंने कायड़ विश्रामस्थली से 16,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया था और 21,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए थे। पचपदरा रिफाइनरी की आधारशिला 22 सितंबर 2013 को सोनिया गांधी ने राज्य में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के दौरान रखी थी, जिसकी शुरुआती अनुमानित लागत 37,230 करोड़ रुपए थी। सरकार बदलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 16 जनवरी, 2018 को इस परियोजना को फिर से शुरू किया। इसकी लागत को संशोधित करके 43,129 करोड़ रुपए कर दिया गया। यह परियोजना, जिसे मूल रूप से 31 अक्तूबर 2022 तक पूरा किया जाना था, राज्य में पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान जून 2023 तक इसकी लागत बढ़कर 72,937 करोड़ रुपए हो गई। भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार में 24 जुलाई 2025 को परियोजना की लागत को फिर से बढ़ाकर 79,459 करोड़ रुपए कर दिया गया। यह रिफाइनरी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम है। पचपदरा रिफाइनरी को देश की सबसे आधुनिक सुविधाओं में से एक के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो बीएस–6 ईंधन मानकों के अनुरूप है। इसमें एक रिफाइनरी और एक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, दोनों शामिल हैं।

अमित शाह का टीएमसी पर आरोप, कहा बंगाल में हर भ्रष्टाचार मामले में जुड़ा नाम

कोलकाता, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में जितने भी बड़े भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं, उनमें कहीं न कहीं टीएमसी नेताओं की भूमिका रही है। बीरभूम जिले के बोलपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ष्कैश–फॉर–क्वेरी से लेकर कैश–फॉर–जॉब, मवेशी तस्करी से लेकर कोयला तस्करी, पीडीएस घोटाले से लेकर अवैध जमीन कब्जाने तक, आप किसी भी भ्रष्टाचार का नाम ले लीजिए, हर जगह टीएमसी नेताओं के निशान मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इस कुशासन से जनता परेशान हो चुकी है और अब विधानसभा चुनाव के जरिए बदलाव लाने के लिए तैयार है। अमित शाह ने अपने भाषण में यह भी दोहराया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो राज्य में हर हाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। उन्होंने कहा, ष्हम उस व्यवस्था को खत्म करेंगे, जिसमें कुछ लोग एक साथ चार–चार शादियां करते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को रात में बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है। गृह मंत्री ने भरोसा दिलाया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो महिलाएं रात 1 बजे भी सुरक्षित तरीके से दोपहिया वाहन से निकल सकेंगी। उन्होंने कहा, आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाएं, कासबा लॉ कॉलेज और दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज में हुए अपराध दोबारा नहीं होंगे।

बंगाल में बन रही भाजपा सरकार, जनता का मिल रहा समर्थन : मनोज तिवारी

कोलकाता, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि इस बार राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। मनोज तिवारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जिस प्रकार से बंगाल की जनता भाजपा को समर्थन और प्रेम दे रही है, उससे यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि सत्ता परिवर्तन तय है। तिवारी ने जोर देकर कहा कि राज्य में बदलाव की आवश्यकता है और जनता अब इसके लिए तैयार है। मनोज तिवारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर निशाना साधते हुए कहा कि अब यह पार्टी मुद्दों के बजाय अफवाहों पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष के पास ठोस मुद्दे नहीं होते, तो वह भ्रम फैलाने का सहारा लेता है। मिथिला क्षेत्र के उदाहरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि खान–पान और पहनावे की स्वतंत्रता हर व्यक्ति का अधिकार है और भाजपा का "सबका साथ, सबका विकास" का नारा इसी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अब अफवाहों से गुमराह नहीं होगी और विकास की राजनीति को चुनेगी। विश्वास जताते हुए कहा कि आने वाले समय में राज्य की जनता भाजपा को सत्ता में लाकर एक नई दिशा देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने राज्य की गरिमा को नुकसान पहुंचाया है, जिसे सुधारना बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए तिवारी ने कहा कि उनकी नीतियों के कारण देश में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे जैसे हाईवे और पुलों का निर्माण, गरीबों के लिए योजनाएं और सुरक्षा व्यवस्था इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

डीएसओ कार्यालय में मंगलवार तक शादी हेतु 350 से अधिक प्रार्थना पत्र के सापेक्ष महज 120 कमर्शियल सिलेंडर ही उपलब्ध - डीएसओ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।शादी में सिलेंडर उपयोग के लिए जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय में 14 अप्रैल तक लगभग 350 से अधिक आवेदकों ने शादी मे कमर्शियल सिलेंडर पाने के लिए शादी का कार्ड लगाकर आवेदन किया है।जबकि अभी तक इसके सापेक्ष 120 कमर्शियल सिलेंडर ही उपलब्ध हैं। इस बात की जानकारी डीएसओ ब्रजेश कुमार ने दिया।उन्होंने बताया की जिसके घर शादी का कार्यक्रम है उनको दो कमर्शियल सिलेंडर विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।बताया कि देखा जाए तो 14 अप्रैल तक कार्यालय में कुल 350 से अधिक कमर्शियल सिलेंडर पाने के लिए आवेदक द्वारा आवेदन किया गया

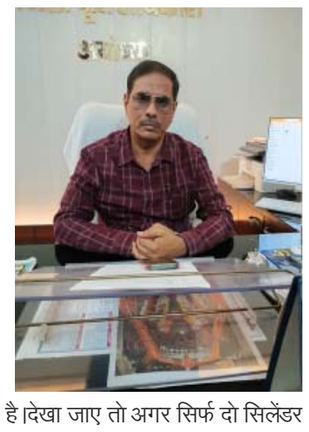

है।देखा जाए तो अगर सिर्फ दो सिलेंडर ही इन आवेदकों को दिया जाए तो 350 आवेदक के सापेक्ष लगभग 700 कमर्शियल सिलेंडर की जरूरत पड़ेगी।लेकिन अभी तक विभाग को कुल 120 कमर्शियल सिलेंडर ही उपलब्ध कराए गए हैं।जो आवेदन करने वाले आवेदको के सापेक्ष काफी कम है।उन्होंने बताया जबकि आवेदन करने वाले लोगों की मांग दो की जगह चार,छः तथा एक दर्जन से अधिक कामर्शियल सिलेंडरों की मांग की जा रही है। उन्होंने बताया कि शादी विवाह में कमर्शियल सिलेंडर लेते समय कुछ सिक्योरिटी मनी और कुछ उसका दाम कुल मिलाकर लगभग ध्5000 तक पड़ेगा जिसमें से सिलेंडर वापस करते समय सिक्योरिटी की कीमत कर दी जाएगी।बताया कि इसके लिए दो गैस एजेंसियों इंडियन गैस सर्विस अमानीगंज तथा ईगल गैस सर्विस कैंट को अधिकृत किया गया है।उन्होंने बताया कि पहले कमर्शियल गैस सिलेंडर पूर्ण आवेदकों को उपलब्ध कराई गई है जिनकी यहां शादी पहले पड़ी हुई है और उन्हें दो कमर्शियल सिलेंडर ही दिया जा रहा है। उन्होंने आवेदी को से अपील किया है कृपया शादी के लिए अभी दो ही कमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे विभाग पर तथा कार्यालय पर और अधिक कमर्शियल सिलेंडर के लिए दबाव न बनाएं। उन्होंने बताया देखा जाए तो आवेदन के सापेक्ष उपलब्ध कराए गए कमर्शियल सिलेंडर बहुत कम है जिसके पूर्ति के लिए उच्च अधिकारियों को पत्राचार किया जा रहा है कि सभी आवेदकों को शादी में पर्याप्त संख्या में कमर्शियल सिलेंडर मिल सके।

संपादकीय

भेदभाव की गुंजाइश

जिन धर्मों में वर्ण व्यवस्था का प्रावधान नहीं है, उन्हें अपनाने के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक रूप से रहती है कि संबंधित व्यक्ति जातिगत पहचान से मुक्त हो जाए और इस आधार पर उससे भेदभाव की गुंजाइश ना रहे। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के उस निर्णय पर मुहर लगा दी है कि हिंदू, बौद्ध और सिख धर्म छोड़कर अलावा किसी अन्य महजब को अपना चुका व्यक्ति स्वतरू अनुसूचित जाति की श्रेणी से बाहर हो जाता है। आंध्र हाई कोर्ट ने यह फैसला संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश– 1950 के तहत दिया था। मामला अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति के धर्म बदल कर ईसाई बनने से संबंधित है। हिंदू धर्म के अंदर अनुसूचित जातियों को मिले लाभ एवं संरक्षणों पर धर्मांतरण के बाद भी उस व्यक्ति ने दावा जताया था। मगर भारतीय संविधान के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। संविधान निर्माताओं ने अनुसूचित जातियों के लिए विशेष प्रावधान हिंदू धर्म के अंदर वर्ण व्यवस्था के तहत बरते गए ऐतिहासिक भेदभाव से उन्हें बचाने के लिए किया था। अनुसूचित जातिध् जनजाति अधिनियम भी उसी भावना के अनुरूप है। इस कानून के जरिए जातिगत आधार पर होने वाले भेदभाव या अपमान से दलित जातियों को संरक्षण देने का प्रयास किया गया है। जिन धर्मों में वर्ण व्यवस्था का प्रावधान नहीं है, उनमें शामिल होने के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक रहती है कि संबंधित व्यक्ति जातिगत पहचान से मुक्त हो जाए और इस आधार पर उससे भेदभाव की गुंजाइश ना रहे। उस स्थिति में उसे उन वैधानिक लाभ, संरक्षण, एवं आरक्षण की जरूरत नहीं रहेगी, जो हिंदू धर्म में रहते हुए गरिमामय जीवन के लिए जरूरी था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस व्याख्या की पुष्टि करते हुए न्यायोचित निर्णय दिया है। हाई कोर्ट के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका में दलील दी गई कि मजहब बदलने के बाद भी अनुसूचित जाति के लोग जातिगत बहिष्करण या भेदभाव से मुक्त नहीं होते। इसलिए उन्हें उन जातियों के लिए तय सारे लाभ मिलने चाहिए। बहरहाल, अगर यह सच है, तो फिर भेदभाव के कारणों की पड़ताल अधिक गहन रूप से की जानी चाहिए। उनसे मुक्ति के क्या उपाय हैं, इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। हर समस्या को जातिगत विमर्श में समेटना अनुचित है। जिन धर्मों का विकासक्रम एक खास परिप्रेक्ष्य में हुआ, उनसे जुड़े प्रावधानों को अन्य धर्मों तक फैलाने की मांग अतार्किक है।

आने वाले समय में बाबा साहब का बहुत असर दिखेगा

लेखकयडॉ० अवनीश कुमार गौतम

बाबा साहब अपने समय में चुनाव हार गए थे। आज बाबा साहब का इतना प्रभाव है कि उनके नाम पर सरकारें बन सकती हैं और समाप्त भी हो सकती हैं बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी की 135 जयंती पर उनको शत् शत् नमन बाबा साहब डॉ०भीमराव आंबेडकर जी के द्वारा जो रचा हुआ है, वह आज के समय में लोकतंत्र की यात्रा के साथ–साथ विस्तारित और सर्वव्यापी होता जा रहा है। डॉ० भीम राव आंबेडकर जी ऐसे समय में आए, जब औपनिवेश का समय था, तब उन्होंने वंचित, शोषित समाज के समस्याओं को उठाने का काम किया। बाबा साहब का उस समय जो प्रभाव था, वह आज उससे कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने पूरे समाज को प्रभावित किया और हम देख रहे हैं। भारतीय राजनीति में बाबा साहब का कद निरंतर बढ़ता चला जा रहा है। आज के समय में चाहे कोई राजनीतिक दल हो, कोई भी विचारक हो, बाबा साहब डॉ० भीमराव आंबेडकर सबकी जरूरत बन गए हैं। भारतीय समाज की आज जो राजनीति है, उसके अधिकतर हिस्से में बाबा साहब डॉ० भीमराव आंबेडकर का प्रभाव दिख रखा है। वह आज भी समाज को संबोधित कर रहे हैं और इसका सिद्धांत भी हैं और व्यवहार भी। वह समस्या भी बताते हैं और समाधान भी देते हैं, इसलिए आंबेडकर हमारे लोकतंत्र में विचार–व्यवहार में निरंतर साथ खड़े मिलतें हैं। उनके निर्माण में नए–नए रंग जुड़ते जा रहे हैं, जैसे एक तरफ आंबेडकर वाम की जरूरत हैं, तो दक्षिणपंथ की भी जरूरत हैं। वह दलित, शोषित , वंचित समूह की जरूरत तो हैं ही, व्यापक भारतीय राजनीति की भी जरूरत हैं। समय के साथ– साथ नए–नए तत्व जुड़ते जा रहे हैं। बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी ने दलित शोषित, वंचित, भारतीय समाज और लोकतंत्र में जो समस्या थी उस पर अनुभव कर गहराई से विचार किया है। बाबा साहब के प्रभाव से दलित, शोषित व वंचित बहुजन समाज के लोग लगातार सचेत और जागरूक होते जा रहे हैं। बाबा साहब के प्रभाव में बहुजन समाज का लोकतांत्रिक मूल्य भी बढ़ता जा रहा है। जाहिर है, जब उसका मूल्य बढ़ रहा है, तो सबकी जरूरत भी बढ़ रही है। बहुजन समाज में जागरूकता बढ़ने में शिक्षा की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। बाबा साहब शिक्षा को बहुत मूल्यवान मानते थे और कहा भी हैं ष शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगाश्श उनके अनुसार शिक्षा केवल साक्षरता नहीं, बल्कि स्वतंत्र सोच, चरित्र निर्माण और आत्मविश्वास पैदा करने का जरिया है, जो सामाजिक बुराइयों और जाति व्यवस्था को समाप्त कर सके। इसके अलावा प्रशासन में भी बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी का असर पड़ा है। जो समाज जागरूक, सचेत था,वह शासन–प्रशासन और विकास में अपनी हिस्सेदारी के लिए लगातार प्रयासरत है। यह आज के समय का सच है कि हर जगह वंचितों की हिस्सा देना पड़ रहा है। अब सवाल यह है कि जब इतनी हिस्सेदारी मिल रही है, तो दलित या वंचित समूहों में इतनी गरीबी या इतना अभाव क्यों है ? इसकी एक ही वजह है कि शिक्षा का प्रसार अभी उतने गहरे तरीके से नहीं हुआ है। वंचित समूह में अभी तक एक छोटा हिस्सा ही शिक्षित व जागरूक हुआ है। जैसे–जैसे उन तक चेतना पहुंचेगी, शिक्षा पहुंचेगी, उनमें विकास की आकांक्षा भी बढ़ेगी। अच्छे जीवन की कामना की चाह पैदा होगी, जब यह चाह पैदा होगी, तब लक्ष्य प्राप्त करने की शक्ति भी आएगी।

ऐसे में, बाबा साहब जी का अभी तक जो असर हुआ है, वह बहुत थोड़ा ही है। उनका बहुत बड़ा असर होना शेष है, जब ऐसा होगा, तब यह एक बड़ा खजाना होगा, जिससे भारतीय समाज संपन्न और सजग होगा। जब तमाम वंचितों तक रोशनी पहुंचेगी, तब हमारा लोकतंत्र भी बदल जाएगा।

अब सावल उठता है कि जब यह होगा, तो उसके पहले क्या बदलाव होंगे ? वास्तव में ऐसे बदलाव होने भी लगे हैं। वामपंथी पार्टियां और भाजपा,सपा,कांग्रेस अन्य जैसी पार्टी भी बाबा साहब को याद कर रही हैं, उन्हें जरूरी मान रही हैं। अपनी योजनाओं में बाबा साहब को शामिल करके चल रही हैं। सभी राजनीतिक पार्टियां जब यह काम करने लगेंगी, तब बाबा साहब का विचार धीरे–धीरे हर जगह फैल जाएगा। उनका विचार फैलेगा, एक समय आएगा, जब गुणात्मक परिवर्तन होगा और तब बड़े बदलाव आएंगे, वंचित,दलित, शोषित ज्यादा बड़े पैमाने पर संगठित होंगे। भारतीय राजनीति में भी बाबा साहब के नए–नए स्वरूप बन रहे हैं। दक्षिण भारत में एक अलग तरह का आंबेडकरवादी आंदोलन है तो महाराष्ट्र में अलग ,तो उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में अलग हैं।

बाबा साहब का एक दृष्टिकोण यह भी देखा जा सकता है कि इन्होंने अपने विचारों से जो चेतना बहुजन समाज में पैदा की, वह अलग से रेखांकित करने योग्य है। ऐसा अक्सर देखा गया है कि जब कोई विचारक चला जाता है, तो वह बहुत प्रासंगिक नहीं रह जाता है। एक समय आता है, जब लोग विचारक को भूल जाते हैं। अगर बाबा साहब को हम देखें, तो वह अपने समय में चुनाव हार गए थे, लेकिन आज बाबा साहब का भारतीय राजनीति में इतने समर्थक हैं कि उनके नाम पर सत्ता परिवर्तन हो सकता है। उनके नाम पर सरकारें जा सकती है और बन भी सकती है।

देश की आजादी की लड़ाई जब चल रही थी, तब एक तरफ महात्मा गांधी उसका नेतृत्व कर रहे थे, तो दूसरी तरफ, बाबा साहब भी अलग स्तर पर सक्रिय थे। वह आजादी को व्यापक स्वरूप में देख रहे थे। उनका यह कहना था कि आजादी मिले, तो दलित मुक्ति भी हो, यह नहीं कि आजाद तो हम हो जाएं, लेकिन वंचितों , शोषितों की स्थिति जस की तस रहे। देश की आजादी की लड़ाई में वह भले आगे न दिखे हों, ट्रेन न जलाए हों, नारे न लगाए हों, लेकिन वह आजादी के व्यापक विचार पर काम कर रहे थे। आजादी मिलने के बाद जो भारत बनना था, उस पर चिंतन शुरू कर चुके थे। एक पक्ष यह मानता है कि महात्मा गांधीजी के संदर्भ में उनका विरोध सही नहीं था, लेकिन वंचित–दलितों का तबका यह मानता है कि उस समय यह विवाद होना जरूरी था। बाबा साहब को लगता था कि गांधी जी दलित मुद्दों को ठीक से संबोधित नहीं कर रहे हैं।बाबा साहब आधुनिकतावादी थे, बाहर से पढ़कर आए थे, महात्मा गांधी जी भी बाहर पढ़े थे, लेकिन वह भारतीय रीति–रिवाज,पारंपरिक मन के दायरे में थे। महात्मा गांधी जी चाहते थे कि आजादी के बाद सब मिलकर काम करें, बाघ और बकरी भी एक घाट पर मिल जाएं, पर तब बकरी का पक्ष रखने वाला भी तो कोई होना चाहिए था और यह काम बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी ने किया। गांधीजी और बाबा साहब का विरोधाभास होना ही था। यह सकारात्मक था, अगर यह नहीं होता, तो भारतीय आजादी भी पूरी नहीं होती। आज महात्मा गांधीजी भी जरूरी हैं और बाबा साहब डॉ० भीमराव आंबेडकर भी।

आज बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, पर बाबा साहब में दो गुण ऐसे हैं, जो हर भारतीय समाज में सभी के पास होने चाहिए। समानता के प्रति वह प्रतिबद्ध थे, वह हर चीज को समानता की दृष्टि से देखते थे और हर भारतीय में समानता के प्रति आग्रह आज बहुत जरूरी है। दूसरा गुण यह है कि बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जी पढ़ते बहुत थे, उनमें ज्ञान की आकांक्षा बहुत थी। यह एक ऐसा गुण है, जिसकी कमी को आज भारतीय राजनीति में भी सबसे ज्यादा महसूस किया जा रहा है। एक अच्छे लोकतंत्र के लिए ज्ञान की आकांक्षा हर किसी में होनी ही चाहिए।

भाजपा के लिए परीक्षा वाला चुनाव

अजीत द्विवेदी

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव वैसे तो दोनों सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों के साथ साथ मजबूत प्रादेशिक क्षत्रपों और वामपंथी पार्टियों के लिए परीक्षा वाले हैं। लेकिन ये चुनाव खासतौर से भाजपा के लिए परीक्षा वाले इसलिए हैं क्योंकि इनके नतीजों से पता चलेगा कि भाजपा गैर कांग्रेस दलों और प्रादेशिक क्षत्रपों के मुकाबले अपनी चिरंतन कमजोरी से उबर पाई है या नहीं। यह भी पता चलेगा कि क्षेत्रीय और भाषायी अस्मिता वाले राज्यों में भाजपा की अखिल भारतीय राजनीति के दांव पेंच, व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण और राष्ट्रवाद की राजनीति कारगर होती है या नहीं। ध्यान रहे इस बार जिन चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु व केरल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में, चुनाव हो रहा है, वहां हिंदुत्व बिल्कुल उस रूप में न तो प्रचलित है और न स्वीकार्य है, जिस रूप में भाजपा उसका उत्तर व पश्चिमी भारत में राजनीतिक इस्तेमाल करती है। साथ ही इन राज्यों में राष्ट्रवाद की भावना के साथ साथ उप राष्ट्रीयता की एक बेहद मजबूत अंतरधारा भी हमेशा मौजूद रहती है। इसलिए इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चुनाव भाजपा के लिए परीक्षा वाला है। तमिलनाडु को छोड़ दें तो बाकी तीनों बड़े राज्यों में भाजपा अकेले लड़ रही है या गठबंधन की केंद्रीय पार्टी है। सबसे बड़े और सबसे ज्यादा विधानसभा वाले राज्य पश्चिम बंगाल में भाजपा अकेले लड़ रही है। असम में जरूर असम गण परिषद, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और यूपीपीएल के साथ भाजपा का तालमेल है लेकिन गठबंधन का नेतृत्व भाजपा कर रही है। 126 सदस्यों की विधानसभा में इस बार वह अकेले बहुमत हासिल करना चाहती है। इससे पहले दो चुनावों से वह बहुमत के आंकड़े यानी 64 सीट से थोड़ा नीचे रूक गई थी। उधर केरल में भी भाजपा ने साबू जैकब की ट्वेंटी20 पार्टी से तालमेल किया है। यह एक ईसाई पहचान वाली पार्टी है। वहां भी भाजपा केंद्रीय ताकत है। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी अपना मजबूत आधार नहीं बना पा रही है और उसे अन्ना डीएमके के पीछे चलना पड़ रहा है, जिसने लोकसभा चुनाव में भाजपा को छोड़ दिया था। हालांकि बाद में भाजपा फिर उसके साथ जुड़ी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा के लिहाज से इसलिए भी बहुत अहम हैं क्योंकि इनसे दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार की संभावनाओं का भी पता चलेगा। धीरे धीरे ही सही लेकिन भाजपा ने कर्नाटक के बाद तेलंगाना में अपना मजबूत आधार बना लिया है। केरल में पिछले चुनाव में उसका वोट प्रतिशत दहाई में पहुंच गया। उसके गठबंधन को 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले, जो लोकसभा चुनाव में और बढ़ा। बहरहाल, अगले महीने होने वाले चुनावों में भाजपा के लिए सबसे अहम पश्चिम बंगाल का चुनाव है। भारत की राजनीति में एकाध ही प्रादेशिक क्षत्रप हैं, जिनसे भाजपा सीधी लड़ाई लड़ती है और हरा नहीं पाती है। ममता बनर्जी को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भाजपा आज तक नहीं हरा पाई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बंगाल में सबसे मजबूत होकर उभरी तब भी ममता बनर्जी की पार्टी को उससे ज्यादा सीटें मिलीं। उसके बाद के चुनाव में तो ममता ने चौलेंज देकर भाजपा को सौ सीट के नीचे रोका। भाजपा को 2021 के चुनाव में 77 सीटें मिलीं। इसकी एक व्याख्या तो यह है कि भाजपा 2016 की तीन सीटों से बढ़ कर 77 पहुंची और दूसरी व्याख्या यह है कि भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में सौ से ज्यादा सीटों पर मिली बढ़त से घट कर 77 पर रह गई। जो हो, इस बार नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार ममता बनर्जी के मुकाबले सीधी लड़ाई में उतरेगी। ध्यान रहे तीसरी सीधी लड़ाई में भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को भी हरा दिया था। दिल्ली में 2013 के चुनाव में भाजपा 32 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। वह 2015 और 2020 में आम आदमी पार्टी से हारी लेकिन 2025 में उसने उसे हरा दिया। ऐसे ही पश्चिम बंगाल में 2016 और 2021 के बाद अब तीसरी लड़ाई है। इस बार हर दांव आजमाए जा रहे हैं। पिछले 10 साल में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के हर दांव पेंच को समझा है। उसकी ताकत और चुनाव लड़ने के तरीके को ऑब्जर्व किया है और उस हिसाब से रणनीति बनी है। इसमें चुनाव आयोग भी अहम भूमिका निभा रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के जरिए 63 लाख नाम काटे जा चुके हैं।

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा–लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है। भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने–पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी

सहयोग हासिल करने की है। भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

गैस की समस्या को सुलझाने का प्रयास

हरिशंकर व्यास

पहले कुछ तथ्यों की बात कर लें। भारत अपनी जरुरत का 60 फीसदी गैस आयात करता है और 40 फीसदी अपने यहां बनाता है। भारत में जो गैस बनती है उसमें 25 से 28 फीसदी बढ़ोतरी करने के लिए सरकार की ओर से कहा गया है। 25 फीसदी उत्पादन बढ़ने का मतलब है कि भारत 10 फीसदी गैस और बनाने लगेगा। यानी उसके बाद भी 50 फीसदी गैस बाहर से आनी है। दूसरा तथ्य यह है कि भारत में गैस की स्टोरेज क्षमता बहुत कम है। मेंगलुरु और विशाखापत्तनम में दो स्टोरेज फैसिलिटी है, जिसमें श्इंडियन एक्सप्रेस्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक लाख 40 हजार टन गैस स्टोर करने की सुविधा है। उसी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रति दिन की गैस की खपत 80 हजार टन की है। इसका मतलब है कि भारत के पास कायदे से दो दिन की खपत के बराबर भी स्टोरेज नहीं है। तीसरा तथ्य यह है कि भारत में दो सौ से कुछ ज्यादा बोटलिंग प्लांट हैं, जहां गैस के सिलेंडर भरे जाते हैं। वहां भी स्टोरेज की बड़ी सुविधा नहीं है और इन टाइम आपूर्ति यानी तत्काल आपूर्ति की ही व्यवस्था है। इसलिए अगर संकट बढ़ता है, जंग लंबी चलती है और कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति प्रभावित होगी। सोचें, कोरोना महामारी के समय जब गैस की कीमतें बढ़ीं उस समय चीन ने तेल और गैस के भंडारण की नई सुविधाएं विकसित की और सस्ता तेल व गैस खरीद कर जमा करना शुरू किया। वह 36 नई फैसिलिटी डेवलप कर रहा है, जहां गैस का भंडारण होगा। इसमें ज्यादातर फैसिलिटी समुद्र तटों पर नहीं है, बल्कि देश के अंदर है। इसी तरह वह सौ अरब गैलन से ज्यादा तेल स्टोर करने की फैसिलिटी विकसित कर रहा है। खैर उससे हमारा क्या मुकाबला? हम तो विश्वगुरू हैं!

अब यही हमलोगों की असली क्षमता की परीक्षा होनी है। अब दुनिया को यह दिखा देना होगा कि भारत विश्वगुरू है। इसके लिए गैस बनाने के नए रास्तों पर अमल शुरू करने का समय आ गया है। जैसे अमेरिका ने चट्टान से तेल निकाल लिया और अफ्रीकी देश डीप सी एक्सप्लोरेशन कर रहे हैं उसी तरह भारत को नालों से गैस बनाने और गाड़ियों के पहिए में भरी हवा से गैस बनाने के तरीके पर व्यापक रूप से अमल शुरू करना चाहिए। इससे भारत को अपनी सारी समस्या का समाधान मिल जाएगा। भारत में तो नाले ही नाले हैं। चारों तरफ नाले हैं और लगभग सभी नाले खुले हुए भी हैं। उनको शायद इसलिए भी नहीं ढका गया होगा कि पता नहीं कब इससे गैस बनाने की जरुरत आन पड़े। तमाम बड़े शहरों के बड़े नाले गंगा और यमुना जैसी नदियों में गिरते हैं और इन पवित्र नदियों की स्वच्छता में अपना योगदान देते हैं। इन तमाम बड़े बड़े नालों से गैस बनाई जा सकती है। लोग यह सुन कर हंसने लगते हैं कि नाले से कैसे गैस बनेगी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद कहा था कि उन्होंने एक व्यक्ति को नाले की गैस से चाय बनाते देखा था। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा नहीं है कि यह बात किसी चुनावी रैली में कही थी। उन्होंने दिल्ली के विज्ञान भवन में 10 अगस्त 2018 को वर्ल्ड बायोफ्यूल डे के कार्यक्रम में तमाम विशेषज्ञों की मौजूदगी में कही थी और सबने इस पर तालियां बजाई थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि उन्होंने एक व्यक्ति को देखा, जिसकी दुकान नाले के बराबर में थी, उसने नाले से निकलने वाली गैस को इकट्ठा किया और उसे पाइप के जरिए अपनी दुकान में लाकर उसका इस्तेमाल चाय बनाने के लिए किया। जैसे ताली, थाली बजाने से पैदा हुई ऊर्जा से कोरोना खत्म होने या लॉकडाउन से कोरोना का सर्किल टूटने जैसे तर्क गढ़ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों को जस्टिफाई किया गया वैसे ही नाले की गैस से चाय बनाने की बात को भी बहुत से जानकारों ने जस्टिफाई किया कि नालों की मिथेन गैस का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि पता नहीं क्यों किसी ने इस पर प्रयोग करके गैस बनाना शुरू नहीं किया? अब समय आ गया है कि नालों से गैस बनाई जाए और उसका इस्तेमाल करके दुनिया को दिखाया जाए कि भारत विश्वगुरू है। प्रधानमंत्री मोदी ने उसी वर्ल्ड बायोफ्यूल डे के कार्यक्रम में ही यह किस्सा भी

सुनाया था कि एक बार वे गुजरात में अपने काफिले के साथ जा रहे थे तो उन्होंने देखा कि उनके काफिले के आगे एक व्यक्ति स्कूटर पर ट्रैक्टर का भरा हुआ ट्यूब लेकर जा रहा था। उन्होंने उसे रूकवा कर पूछा तो उस व्यक्ति ने बताया कि उसने अपने घर पर गोबर और कचरे से बनने वाला बायोगैस प्लांट लगा रखा है। वहां वह गैस बनाता है और उसे ट्रैक्टर के ट्यूब में भर कर अपने खेत पर ले जाता है, जहां उससे अपना पंप चला कर सिंचाई का काम करता है। अब पता नहीं इस तरह के प्लांट लगाने और इस तरह से ट्यूब में भर कर उसे लोगों के घरों तक या रीफीलिंग सेंटर्स या बोटलिंग प्लांट तक ले जाने का उपक्रम देश में क्यों नहीं किया गया? लेकिन अब उसका भी समय आ गया है। बाकी इस तरह से गैस बनाने और लोगों तक पहुंचाने के और भी मौलिक उपाय जरूर भारत के पास होंगे।

अंबेडकर जयंती पर आप कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि, संविधान रक्षा का लिया संकल्प

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर तिराहे पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान "जय भीम" और "भारत का संविधान जिंदाबाद" के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए भारतीय संविधान के साथ कथित छेड़छाड़, उसे बदलने की साजिश और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगाए। साथ ही दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्गों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर आक्रोश जताया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज भी समाज में कई स्थानों पर दलितों को भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दलित युवकों को घोड़ी पर चढ़ने से रोकने, अंबेडकर प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने और कथावाचकों पर हमलों जैसी घटनाओं पर चिंता जताई। पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्रा और जिलाध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा ने सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में सुभाष गौतम, राजेश अस्थाना, विनय यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए जारी किए दिशा-निर्देश, केंद्राध्यक्ष नियुक्ति पर जोर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने 15 अप्रैल से शुरू होने वाली सम सेमेस्टर की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं को लेकर महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों को समय पर परीक्षा केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षाएं सुचारु एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जा सकें। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी लेने पर परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि केंद्राध्यक्ष के पद पर महाविद्यालय के अनुमोदित आचार्य की ही नियुक्ति की जाएगी। यदि किसी महाविद्यालय में अनुमोदित आचार्य उपलब्ध नहीं हैं या किसी कारणवश कार्य करने में असमर्थ हैं, तो ऐसे में वरिष्ठतम प्राध्यापक का अनुमोदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज विश्वविद्यालय कार्यालय में प्रस्तुत कर नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रस्तावित केंद्राध्यक्ष के लिए नवीनतम वेतन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति, मोबाइल नंबर तथा ईमेल आईडी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, यदि किसी महाविद्यालय के प्राचार्य अवकाश या बीमारी के कारण अनुपस्थित हैं, तो संबंधित चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना भी जरूरी होगा। प्रशासन के अनुसार, सम सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित की जाएंगी। परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर एडमिट कार्ड भी जारी कर दिए गए हैं, जिन्हें छात्र ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे परीक्षा व्यवस्था को पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न कराएं, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे।

धोखाधड़ी व जालसाजी के मामले में वांछित अभियुक्त को गोसाईगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर तथा एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर व सीओ सदर अरविंद सोनकर की देखरेख में प्रभारी निरीक्षक गोसाईगंज अभिमन्यु शुक्ला अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष अभियान चला रहे हैं। इसी अभियान के तहत महबूबगंज डाकघर में 30 लाख की घोटाले के मामले मे उप डाकपाल शिवांशु श्रीवास्तव को गोशाईगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस संबंध में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला थाना गोशाईगंज जनपद अयोध्या के नेतृत्व में थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या पर पंजीकृत मुकदमें मे वांछित अभियुक्त शिवांशु श्रीवास्तव पुत्र स्व0 ओमप्रकाश श्रीवास्तव निवासी आवास विकास कालोनी बड़ा पार्क के पास 4/380 थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को मंगलवार को गिरफ्तार किया।बताया कि उक्त आरोपी को गिरफ्तार करने में प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला थाना गोशाईगंज के अलावा निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार राय थाना गोसाईगंज अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

एनएचएआई के नए आदेश, अब नकद नहीं, केवल ऑनलाइन भुगतान

लखनऊ, (संवाददाता)। हाथरस जिले के टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहन स्वामियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। एचएचएआई के नए आदेश के बाद अब जिले के अलीगढ़–आगरा हाईवे पर बरौस एवं मडराक टोल प्लाजा पर नकद लेन–देन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। अब यदि आपके वाहन पर फास्टैग नहीं है तो भी आपको नकद के बजाय ऑनलाइन माध्यम से ही भुगतान करना होगा। टोल बूथों पर लगने वाली लंबी कतारों से निजात पाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया गया है। जिले के दोनों प्रमुख टोल मडराक (आगरा रोड) और बरौस पर इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। अब टोल कर्मियों को नकद पैसे देने के बजाय वहां लगे क्यू आर कोड को स्कैन कर भुगतान करना होगा। इसके लिए टोल नाकों पर जगह–जगह क्यूआर कोड के बोर्ड लगा दिए गए हैं। बृज भूमि एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर विनय वर्मा ने बताया कि टोल प्लाजा पर समय की बचत के लिए यह व्यवस्था शुरू की गई है। वाहन स्वामियों से अपील है कि वे अपने फास्टैग को रिचार्ज रखें।

समरसता दिवस पर भाजपा का संकल्प, बाबा साहेब के 'पंचतीर्थ' और अंत्योदय की दिशा में बढ़ता भारत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को 'समरसता दिवस' के रूप में जिलेभर में उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति सहित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कार्यालय एवं सभी बूथों पर बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। आयोजित संगोष्ठी में जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बाबा साहेब से जुड़े पांच प्रमुख स्थलोंकृमहू, लंदन, नागपुर, दिल्ली और मुंबईकृको 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित कर उन्हें सम्मान दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत, 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के मंत्र को साकार कर रही हैं, जिनका सीधा लाभ वंचित वर्गों को मिल रहा है।

जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि भाजपा संविधान को पवित्र ग्रंथ मानती है और संविधान दिवस मनाने की परंपरा शुरू कर युवाओं को जागरूक किया गया। वहीं संदीप तिवारी ने स्टैंड–अप इंडिया और मुद्रा योजना के जरिए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही। जिला महामंत्री अजय सिंह ने विपक्ष पर बाबा साहेब के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने उनके विचारों को नीतियों में उतारा है। पंकज मिश्रा ने 'विकसित भारत' के लिए अंतिम व्यक्ति के सशक्तिकरण को आवश्यक बताया। इस दौरान पार्टी द्वारा मंडल अध्यक्षों की घोषणा भी की गई, जिसमें बेलवार से रूपेश सिंह, सुजानगंज से संतोष पासी, मुंगराबादशाहपुर से राजीव केशरी, तरहटी से श्मुकेश पटेल, पवारा से अजय दुबे और नवपेड़वा से जनार्दन गौड़ को जिम्मेदारी दी गई। अंत में जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बाबा साहब ने ऐसा संविधान दिया है, जहां हर धर्म और हर जाति को ताकत व सम्मान मिला है : रवि किशन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मंगलवार को गोरखपुर से भाजपा सांसद और भोजपुरी अभिनेता रवि किशन पहुंचे। उन्होंने अंबेडकर तिराहे स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्रकारों से बात करते हुए रवि किशन ने कहा कि आज डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है और पूरा देश संविधान से चलता है। उन्होंने संविधान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बाबा साहब ने ऐसा संविधान दिया है, जहां हर धर्म और हर जाति को ताकत व सम्मान मिला है। उन्होंने बताया कि जहां लोगों के साथ अत्याचार हुआ, वहां बाबा साहब की किताब और उनकी कलम ने उन्हें खड़ा किया और समाज में उनका स्थायी वर्चस्व बढ़ाया। सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के निर्देश पर हर सांसद व विधायक को 10 प्रतिमाओं पर जाकर माल्यार्पण करना है और 10 कार्यक्रम आयोजित करने हैं। उन्होंने प्रण लिया कि वे बाबा साहब के इस संविधान के साथ भारत को एक विकसित देश की ओर ले जाएंगे। रवि किशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बाबा साहब के संविधान का सम्मान करते हुए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। उन्होंने बताया कि भारत की सबसे बड़ी पंचायत (संसद) में 2029 से महिलाएं बड़ी संख्या में बैठेंगी। इस संबंध में 16 से 17 अप्रैल के बीच एक विधेयक पारित होगा। उन्होंने कहा कि देश की नारी शक्ति अब 2029 से 33 प्रतिशत की बड़ी तादाद में सदन में बैठेगी और अपने जिले व समाज के मुद्दों को उठाएगी। अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर रवि किशन ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बना रही है, असम में सरकार बन चुकी है, पुडुचेरी में भी सरकार बन रही है, जबकि तमिलनाडु और केरल में सीटें बढ़ेंगी। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष ने बाबा साहब के संविधान का सहारा लेकर 2024 में जो करना था, वह करके भाजपा को नुकसान पहुंचाया। हालांकि, अब वह समय चला गया है और जनता जाग चुकी है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 के चुनाव में 2017 के चुनाव का रिकॉर्ड टूटेगा। रवि किशन ने यह भी बताया कि भाजपा सरकार में गरीबों को मकान, अनाज और इलाज जैसी सुविधाएं मिल रही हैं।

बदायूं से सीधी रेल सेवा शुरू, केंद्रीय राज्यमंत्री ने यात्रियों संग ट्रेन में किया सफर

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने सोमवार को बदायूं से नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया। बदायूं रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में उन्होंने उद्घाटन विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्टेशन परिसर में भारी भीड़ उमड़ी और यात्रियों में उत्साह देखा गया। यह नई सेवा बदायूं, कासगंज और एटा के यात्रियों को राजधानी तक सीधी और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराएगी। इससे मुरादाबाद के रास्ते उत्तराखंड जाने वाले यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। क्षेत्र के कृषि और वन उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ने की उम्मीद है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि अब दिल्ली दूर नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि जिले को गंगा एक्सप्रेसवे, रिंग सड़क और फोरलेन हाइवे की सौगात मिली है। रेल मंत्रालय ने 14315/14316 बरेली–नई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस के मार्ग का विस्तार कासगंज तक करने की स्वीकृति दी है। 05303 बदायूं–नई दिल्ली उद्घाटन विशेष ट्रेन सोमवार दोपहर 12 बजे बदायूं से रवाना हुई और शाम आठ बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 14 कोच हैं, जिनमें सामान्य श्रेणी, आरक्षित कुर्सीयान और वातानुकूलित कोच शामिल हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने संकेत दिया कि जल्द ही बदायूं से लखनऊ के लिए भी सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की योजना है। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। यह नई सेवा छात्रों, व्यापारियों और आम यात्रियों को राहत देगी। बदायूं के सामाजिक व आर्थिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में स्टेशन परिसर में भारी भीड़ उमड़ी। किसानों ने फूल बरसाकर खुशी जाहिर की। महिलाओं और बच्चों ने इस पल को कैमरे में कैद करते हुए सेल्फी ली। कार्यक्रम में सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता और विधान परिषद सदस्य वागीश पाठक सहित कई जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी मौजूद रहे। 05303 बदायूं–नई दिल्ली उद्घाटन विशेष ट्रेन 13 अप्रैल को दोपहर 12:00 बजे बदायूं से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन बरेली जंक्शन (13:15), भिटौरा (13:37), नगरिया सादात (13:51), रामपुर जंक्शन (14:18), मुरादाबाद (14:50), अमरोहा (15:19), गजरौला (15:40), गढ़मुक्तेश्वर (17:02), हापुड़ जंक्शन (17:35), पिलखुआ (17:47), गाजियाबाद (18:42), साहिबाबाद (18:54), आनंद विहार (19:06), तिलक ब्रिज (19:15) और शिवाजी ब्रिज (19:23) होते हुए रात 20:00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

असमय बारिश से फसलें बर्बाद, सरकार किसानों की मदद में विफल : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में किसान उपेक्षा का शिकार हो रहा है। असमय बारिश, आंधी और ओलावृष्टि से प्रदेश भर में किसानों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अभी तक किसानों को कोई ठोस मुआवजा या मदद नहीं मिल सकी है।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में गेहूं की फसल चौपट हो गई है। पूरब से पश्चिम तक किसानों की गेहूं, सरसों और अन्य फसलें खराब हो गई हैं। मैनपुरी, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, हाथरस, अयोध्या, मेरठ, पीलीभीत, मथुरा, हरदोई, सोनभद्र और श्रावस्ती सहित अनेक जिलों में किसानों का गेहूं भीग गया और फसल गिरकर बर्बाद हो गई।

समानता, न्याय एवं बंधुत्व के प्रतीक है डॉ अंबेडकर - प्रो वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार ही नहीं, बल्कि महान समाज सुधारक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री और दूरदर्शी चिंतक भी थे। उन्होंने अपने जीवन संघर्षों के माध्यम से शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी साधन बताया। उनका संपूर्ण जीवन समानता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों की स्थापना के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने वंचित और कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए शिक्षा, संगठन और संघर्ष का मंत्र दिया। जब तक समाज में शिक्षा का व्यापक प्रसार नहीं होगा, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के विचारों को अपनाकर एक समतामूलक और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। कुलपति ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के विकास का माध्यम भी है। छात्रों को संविधान में निहित मूल्योंकृन्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृको अपने जीवन में उतारना चाहिए। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, कुलसचिव केशलाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पांच लोगों की मौत से डासना में कोहराम, चीख और चित्कार से दबी शहनाई की गूंज

लखनऊ, (संवाददाता)। हापुड़ के धौलाना में बारातियों से भरी बस और ट्रक की भिड़ंत होते ही बस खाई में जा गिरी। बस चालक सहित छह लोगों की मौत हो गई। चालक को छोड़ अन्य पांच मृतक डासना के हैं। डासना के कुरैशियान मोहल्ले के युनूस के बेटे जाहिद की बारात रविवार की शाम आठ बजे गुलावटी गई थी। देर रात लौटते समय धौलाना में बस की टक्कर ट्रक से हो गई। जिसके बाद बारातियों से भरी बस खाई में गिर गई। बस के ऊपर असंतुलित ट्रक जा गिरा। हादसे में बस सवार डासना निवासी दूल्हे के पिता युनुस, मुन्ना, अख्तर उर्फ बबलू, यूसुफ और सोनू की मौत हो गई। युनुस के बेटे जाहिद की 12 को जबकि उनकी बेटी मनताशा की बरात 17 अप्रैल को आनी थी। घर में तीन दिनों के अंतराल में बेटे और बेटी का निकाह था। ऐसे में युनुस की हादसे में मौत हो गई। शादी वाले घर में मातम पसर गया। मृतक युनुस के चार बेटे और चार बेटी हैं। युनुस मजदूरी करते थे। उनके पड़ोसी यूसुफ फल विक्रेता थे और उनके आठ लड़के हैं। जिनमें से दो शादीशुदा हैं। वहीं, बबलू उर्फ अख्तर की तीन बेटियां हैं और वह भी मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते थे। मुन्ना मंडी में केले की ठेली लगाते थे और इनके चार बेटे और चार बेटियां हैं। जबकि सोनू निवासी वार्ड नंबर तीन में किराए के मकान में रहते थे मूल रूप से जारचा गौतमबुद्धनगर के रहने वाले सोनू करीब 13 वर्ष पूर्व रोजगार की तलाश में डासना आए थे, घर में उनकी पत्नी तीन बेटियां और एक बुजुर्ग मां हैं। मृतक मुन्ना और यूसुफ के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है। जबकी तीन के शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

धौलाना-गुलावठी मार्ग पर बरातियों से भरी बस की ट्रक से टक्कर, छह लोगों की मौत, कई घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। हापुड़ के धौलाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब बरात से लौट रही बस और ट्रक की आमने–सामने टक्कर हो गई। जबकि 13 लोग घायल हो गए। मृतक गाजियाबाद के डासना के रहने वाले थे। डासना निवासी इकराम कुरैशी के पुत्र की बरात रात करीब डेढ़ बजे गुलावठी से लौट रही थी, तभी सामने से आ रहे ट्रक से बस की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस ट्रक के नीचे जा दबी और दोनों वाहन सड़क किनारे खाई में पलट गए। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलते ही डीएम अभिषेक पांडे व एसपी ज्ञानंजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत और हाईड्रा मशीन की मदद से बस को ट्रक के नीचे से निकालकर उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। इस हादसे में सोनू पुत्र जहीर, यूसुफ पुत्र बशीर, अख्तर पुत्र हमीद, यूनुस पुत्र कदीर, मुन्ना पुत्र मेहरबान और बस चालक अशोक पुत्र रतिराम की मौत हो गई। वहीं 13 लोग घायल हो गए, जिन्हें अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। चार घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि अन्य का उपचार जारी है। इस दुर्घटना से पहले कल शाम अलीगढ़ में भी एक सड़क हादसा हुआ। सिविल लाइंस–अलीगढ़ के सीओ सर्वम सिंह ने बताया कि शाम करीब 7 बजे सिकंदरपुर नहर के पास एक ऑटो–रिक्शा और कार की टक्कर की सूचना मिली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और ऑटो में सवार सभी घायल यात्रियों को स्थानीय सीएससी (पुलिस केंद्र) ले गई।

2000 रुपये में मिल रहा 925 वाला सिलिंडर, एजेंसियों पर मिलीभगत के आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। आगरा में घरेलू गैस की रीफिलिंग के लिए तय 45 दिनों के अंतराल और व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति में भारी कटौती ने कालाबाजारी करने वालों के हौसले बुलंद कर दिए हैं। गैस एजेंसियों की कथित मिलीभगत से हॉकर चांदी काट रहे हैं। 925 रुपये की कीमत वाला घरेलू सिलिंडर जरूरतमंदों को 1800 से 2000 रुपये तक में बेचा जा रहा है। इस अवैध खेल पर लगाम लगाने के जिम्मेदार अधिकारी फिलहाल मूक–बधिर बने हुए हैं। गैस की किल्लत का सबसे ज्यादा असर डेयरी, रेस्तरां, हलवाई और पथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) पर पड़ रहा है। दैनिक आधार पर अपना कामकाज चलाने के लिए गैस पर निर्भर ये छोटे कारोबारी अब हॉकर्स का आसान शिकार बन रहे हैं। व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति में करीब 80: की कटौती चल रही है। स्थिति यह है कि व्यावसायिक उपभोक्ताओं को उनकी मांग के मुकाबले महज 50 फीसदी गैस ही मिल पा रही है। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर हॉकर मनमाने दाम वसूल रहे हैं। जिले में कुल 89 गैस एजेंसियां हैं, जिनसे 12 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ता जुड़े हैं। वहीं, जिले में व्यावसायिक सिलिंडर की खपत करीब 40 हजार है। पिछले महीने पूर्ति विभाग ने कालाबाजारी के मामले में चार गैस एजेंसियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप है कि पुलिस और विभाग ने इन मामलों की जांच आगे नहीं बढ़ाई। विभागीय सुस्ती के कारण अब सीधे तौर पर अधिकारियों और एजेंसी संचालकों के बीच सांठगांठ के आरोप लग रहे हैं। कालाबाजारी का यह खेल केवल शहर तक सीमित नहीं है बल्कि ग्रामीण अंचलों में भी धड़ल्ले से चल रहा है। मजबूरी में छोटे व्यापारी और आम जनता अपनी जेब ढीली करने को मजबूर हैं। प्रशासन की चुप्पी से इन अवैध गतिविधियों को और बढ़ावा मिल रहा है।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर याद किए गए शहीद हुए अग्निशमन कर्मी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।मंगलवार को अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह के नेतृत्व में राजकीय इंटर कॉलेज मैदान पर शोक परेड का आयोजन किया गया। इस मौके पर आए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ग्रोवर बताया कि इस दिन 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर एक भीषण अग्निकांड की घटना हुई थी। जिसमें कई अग्निशमन विभाग के कर्मी आग बुझाते हुए शहीद हो गए थे। इस मौके पर उन्होंने और वहां पर मौजूद पुलिस कर्मियों तथा फायर विभाग के कर्मियों ने उन शहीद फायर विभाग के कर्मियों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 02 मिनट का मौन रखा। स्मृति दिवस कार्यक्रम के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर अयोध्या द्वारा प्रचार–प्रसार हेतु पंपलेट का विमोचन कर तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या महोदय द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों को पिन फ्लैग लगाया गया।मुख्य अग्निशमन अधिकारी अयोध्या एम0पी0सिंह द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या व अन्य अधिकारियों कर्मचारियों को पिन फ्लैग किया गया तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या द्वारा प्रचार–प्रसार हेतु अग्निशमन वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर अग्नि शमन अधिकारी प्रदीप कुमार पांडे सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।

नगर निगम के कूड़ा संग्रहण वाहनों में अब बजेगा अवधी जिंगल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।नगर वासियों की सुबह को स्वच्छता के संदेश के साथ गीत संगीत में बनाने के लिए चिंतन संस्था ने पहल की है इसके तहत कूड़ा संग्रह के लिए संचालित किए जाने वाले वाहनों से अवधी जिंगल का प्रसारण किया जाएगा इसकी अनुमति नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने दे दी है। स्वच्छता के क्षेत्र में अभिनव पहल करते हुए चिंतन इन्वायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप ने आलोक सिंह राना के नेतृत्व में अवधी जिंगल तैयार किया है।नगर निगम के चार वार्डों में कूड़ा वाहनों में सफलतापूर्वक संचालन शुरू हो गया है।आलोक सिंह राणा ने बताया कि इस अवधी जिंगल के माध्यम से लोगों को सूखा एवं गीला कचरा अलग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्थानीय भाषा में तैयार यह जिंगल आमजन के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।जिंगल के बोल महापौर गिरीशपति त्रिपाठी के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। सामाजिक संस्था राम का घर के प्रबंधक एवं चिंतन संस्था के चीफ कोऑर्डिनेटर अवधी जिंगल की रचना की है। अब इसे पूरे नगर में लागू किए जाने से "स्वच्छ अयोध्या" अभियान को नई गति मिलने की उम्मीद है।इस पहल के सूत्रधार आलोक सिंह राना शिक्षाविद एवं प्रमुख समाजसेवी के रूप में जाने जाते हैं। वह प्रत्येक माह 15 दिन दिल्ली में पी0 के परीक्षार्थियों को इतिहास विषय का मार्गदर्शन देते हैं। शेष 15 दिन अयोध्या में सामाजिक कार्यों को समर्पित करते हैं, ताकि अयोध्या को प्रभु श्रीराम के अनुरूप दिव्य और भव्य स्वरूप में पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत किया जा सके। वर्ष 2012 में उन्होंने अयोध्या में लगभग 15 हजार लोगों के साथ सामूहिक राष्ट्रगान का ऐतिहासिक आयोजन कराया था। इसी वर्ष उन्होंने "थूकू अंकल" अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत लगभग 20,000 बच्चों को प्रशिक्षित कर सार्वजनिक स्थलों पर थूकने के खिलाफ जागरूकता फैलाई थी। इसके अतिरिक्त उन्होंने 2012 में "संपूर्ण खाता युक्त जिला" कार्यक्रम का संचालन किया। वर्ष 2022 में फेसबुक के माध्यम से सेना के सम्मान में राष्ट्रगान अभियान आयोजित किया तथा वर्ष 2025 में ऑनलाइन हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कराया, जिसमें लगभग 45 लाख लोगों की भागीदारी रही। आलोक की यह पहल न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय संस्कृति और भाषा के माध्यम से जनभागीदारी को भी मजबूत करेगी।

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्ट्रेट में आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि चिहिंत क्रिटिकल कॉरिडोरों व अन्य मार्गो पर क्रिटिकल क्रैश प्रोन लोकेशनों पर दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु सुरक्षित उपाय सुनिश्चित करायें तथा जिन स्थानों पर फ्लाई ओवर बनाये जा रहे है उनकी सर्विस लेनों पर पॉट होल्स भरकर बिटुमिनस कार्य तत्काल कराये और सर्विस लेनों को निरन्तर पैचरहित रखा जाना सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने आरटीओ को निर्देश दिये कि नगर एवं अन्य मार्गो पर चलने वाले ई–रिक्शों व बसों पर वाहन संख्या, मार्ग आदि विवरण सहित क्यू0आर0 कोड चस्पा करायें तथा ओवर लोड एवं ओवर हाईट चलने वाले वाहनों का पंजीकरण निरस्त करने की कार्यवाही करें इसके साथ ही समस्त स्कूल बसों की फिटनेस की जांच करें बिना पंजीकृत वाहनो का पंजीकरण निरस्त करें। उन्होने ईओ नगर पालिका परिषद हरदोई को निर्देश दिये कि निर्धारित स्थानों पर वेंडिग जोन निर्माण शीघ्र कराना सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राईवेट बसों का संचालन नगर के बाहर निर्धारित स्थानों से ही किया जाये तथा सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार करायें। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, एआरटीओ, ईओ, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिला एसओ आशा शुक्ला व महिला उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय द्वारा लगातार किया जा रहा जागरूक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मंगलवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे ने महिला कांस्टेबल शशिलता, महिला होमगार्ड शोभावती व महिला पुलिसकर्मियों के साथ जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, रिकाबगंज, बल्लाहाता,चौक रोडवेज सहित अन्य प्रमुख चौराहा तथा मार्गों पर महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उनके साथ मौजूद रही महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर ने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को

लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

पहले अपराधियों को पकड़ने के लिए थानों पर होते थे मुखबिर अब इनकी जगह होते हैं दलाल

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जब समाज में कोई भी व्यक्ति अपनों या दूसरों से ठुकराया जाता है तो वह सीधे सबसे पहले पुलिस के पास जाता है और वहां यह सोचकर जाता है की पुलिस के माध्यम से उसे न्याय मिलेगा।इसके साथ साथ पुलिस अपराधियों को शीघ्र से शीघ्र पकड़ भी लेती थे क्योंकि पहले संबंधित थानों के थानेदार मुखबिर पालते थे अब देखा जाए उन्हीं थानों पर मुखबिर की जगह दलाल के रूप में लोग बैठे रहते हैं।वैसे तो आज भी पुलिस के बिना लगभग कोई कार्य नहीं होता है।पुलिस समाज का एक मजबूत विभाग और कार्य करने की पॉवरफुल सेंटर है।पुलिस द्वारा किए जाने वाले हर कार्य को जनता शासन प्रशासन और सरकार की छवि को देखती है।कुछ वर्दी छबि को कलंकित करती है तो कई ऐसी हस्तियां है जो सदैव वर्दी की लाज बचाने के लिए हर पल काम करते हैं और वह समाज के आईकॉन जाते है।लेकिन पुलिस विभाग में एक सबसे बड़ी दुरुव्यवस्था देखी जा रही बन है जो राजनीति में दिखती है।यहां भी अब योग्यता और कार्यशैली पर कुर्सी नहीं मिलती है केवल चापलूसी और लक्ष्मी को कृपा के आधार पर कुर्सियों का बंटवारा होता है,जिसके कारण अच्छे और काम करने वालों के मंशा पर कुठाराघात होता है। बाहर से आने वाले अच्छे दारोगा और सिपाही जिराकी कोई रोटिंग नहीं होती है महीनों पुलिस लाइन में पड़े रहते हैं। जबकि कई ऐसे अधिकारी है जो सालों से कुर्सी पर चिपके रहते हैं, उनके पता पास नहीं कौन सा फेबीकोल कुर्सी पर लगा होता है, कि उन पर किसी का ध्यान ही नहीं जाता है।आज भी पुलिस की छबि आज भी समाज में एक अच्छे कार्य और हर पल मदद के रूप में देखी जाती है, लेकिन कुछ सालों से पुलिस की छवि को बटटा लगना शुरू हुआ है, जो कभी पुलिस अपने कार्यो से जानी जाती थी,अब चंद अधिकारी थानों और चौकियों पर चंद दलालों और कुछ खारा लोगों के ही ईशारे पर कार्य करते है।जिसका असर आम जनता और गरीबों पर पड़ता है।थानों और चौकियों पर विराजमान अधिकारियों की आंख नाक और कान के ऐसे लोग बन जाते हैं जो न तो पुलिस विभाग के खास होते हैं न ही समाज के लेकिन वह दिन में दो से चार बार थानों का चक्कर काटते हैं।जो पीड़ित या फरियादी आया होता है तो सबसे पहले वह देखता है कि यह तो थानेदार का खास आदमी है, इसे ही पकड़े।पहले क्राइम कंट्रोल के लिए पुलिस मखबिर रखती थी, साइकिल से गांव गांव व चौराहों पर सादी वर्दी में भी चक्कर लगाती थी, अब सब बाइक सवार हो चुके हैं,अब मुखबिर कम दलाल अधिक पाले हुए हैं।कई ऐसे छोटे मोटे कार्य है जो बिना पुलिस के नही होते है पुलिस की भूमिका से ही वहां पर न्याय होने की संभावना होती है लेकिन जैसे ही दलालों की इंट्री होती है तो बहां पर चेहरा और लक्ष्मी को की महत्व दिया जाता है। इससे पुलिस छवि को खराब करने के साथ ही वर्तमान सरकारों की छवि को खराब करने का काम होता है।

'बाबा साहब का जीवन संघर्ष, ज्ञान और संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है– अनुनय झा'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को स्वामी विवेकानन्द सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुनय झा ने डा0 भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, जिला विकास अधिकारी एवं कलेक्ट्रेट व विकास भवन के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को डा0 भीमराव अम्बेडकर साहब की जयंती पर बधाई दी तथा कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, ज्ञान और संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है तथा उनके विचार हमें एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते है, जहां हर नागरिक को शिक्षा, समाज अधिकार, सम्मान और अवसर प्राप्त हो, हम उनके आदर्शो को अपनाकर सामाजिक न्याय, समानता और सशक्तिकरण के उनके सपने को साकार करने का संकल्प लें तथा जाति, धर्म, आदि भेदभाव को भूलकर सभी के साथ समान व्यवहार करें और शिक्षा के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 एवं न्यायिक ने भी डा0 अम्बेडकर जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

4 करोड़ 74 लाख की लागत से निर्माणाधीन अग्निशमन कार्यालय व आवास जून तक बनकर हो सकता है तैयार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जून माह के अंतिम सप्ताह तक फायर विभाग को पुलिस लाइन परिसर में खुद का चार यूनिट का कार्यालय के साथ आवास भी लहाल मिलने की उम्मीद है।इस बात की जानकारी देते हुए सीएफओ एमपी सिंह ने बताया और 4 करोड़ 74 लाख रुपया इसके निर्माण के लिए मुख्यालय द्वारा मुहैया कराया गया था,जिस पर बहुत ही तेजी से कार्य चल रहा है और उम्मीद जताई जा रही सुरक्षा है कि जून के अंतिम सप्ताह तक फायर विभाग को अपना कार्यालय, आवास, गैराज मिल जाएगा।बताया कि इसका निर्माण आवास विकास परिषद द्वारा कराया जा रहा है।सीएफओ एमपी सिंह ने बताया कि फायर विभाग का कार्यालय चार यूनिट का है, जिसमें एक सीएफओ का कक्ष, एक अग्निशमन अधिकारी का कक्ष, एक अग्नि शमन विभाग का कार्यालय, एक नियंत्रण कक्ष के साथ फायर विभाग के वाहनों को खड़ी करने के लिए गैराज का भी निर्माण भी हो रहा है। बताया कि फायर कर्मियों के रहने के लिए पर्याप्त संख्या मे अत्याधुनिक बैरक का निर्माण होगा। यहां पर निर्माण होने के चलते पिछले कुछ महीनो से फायर विभाग के बड़े व छोटे वाहन के साथ फायर कर्मियों को राजकीय इंटर कलेज में शिफ्ट किया गया है बताते चलें कई दशकों से पुलिस लाइन परिसर में स्थित टीन के नीचे ठंडी, गर्मी व बरसात में फायर विभाग के कर्मी रह रहे थे।पिछले वर्ष महानिदेशक फायर विभाग ने निरीक्षण के दौरान यह दशा देखकर इसे ठीक करने का निर्णय लिया और इसके निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए साथ ही साथ पत्राचार के लिए मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह को निर्देश दिए थे, जिसके चलते अब फायर विभाग को चार यूनिट का अपना कार्यालय, बैरक जून माह तक मिल जाने की उम्मीद है।

यातायात पुलिस की लापरवाही के चलते रामनगरी अयोध्या में बढ़ता 'वीआईपी कल्चर',आमजन परेशान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिले में इन दिनों वीआईपी कल्चर का दायरा लगातार बढ़ता नजर आ रहा है।स्थिति यह है कि अब केवल जनप्रतिनिधि या वरिष्ठ अधिकारी ही नहीं,बल्कि सवारी ढोने वाली निजी गाड़ियांकृजैसे स्कॉर्पियो, बोलेरो, इनोवा और एर्टिगाकृभी सड़कों पर हूटर बजाते हुए फर्राटा भरती दिख रही हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई ऐसे लोग, जो प्रशासनिक या वीआईपी श्रेणी में नहीं आते, वे भी अपने वाहनों पर हूटर और काली फिल्म लगाकर सड़कों पर धौंस दिखा रहे हैं।इनमें कुछ नौकरशाहों के सहयोगी, पर्सनल असिस्टेंट, क्लर्क और चपरासी स्तर तक के लोग शामिल बताए जा रहे हैं, जिन्हें कथित तौर पर वीआईपी पास भी मिल जा रहा है।सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि इन गाड़ियों के कारण आम राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।वही हूटर बजाते हुए तेज रफ्तार में निकलने वाली ये गाड़ियां ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं और कई बार दुर्घटना का खतरा भी बढ़ा देती हैं।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि काली फिल्म चढ़ी गाड़ियों में हूटर बजाकर सड़क पर दबाव बनाया जाता है,जिससे आमजन को रास्ता छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे कानून व्यवस्था और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी भी साफ तौर पर दिखाई देती है।लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। नियमों के विरुद्ध हूटर, फ्लैश लाइट और काली फिल्म का उपयोग करने वालों पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और सड़कों पर अनुशासन कायम हो। इस संबंध में एसपी यातायात अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीच–बीच में यातायात पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कार्यवाही की जाती है।

अयोध्या प्रयागराज हाईवे बनेगा कंट्रोल ग्रीन फील्ड,जिले के 51 गांवों के किसानों की जाएगी भूमि

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।प्रतापगढ़–अयोध्या खंड पर नव प्रस्तावित हाई स्पीड एक्सेस कंट्रोल ग्रीन फील्ड कारिडोर की अधिसूचना केंद्र सरकार ने जारी कर दिया।जारी अधिसूचना के अनुसार यह सिक्स लेन का होगा।जिले में सदर, सोहावल व बीकापुर तहसील के 51 गांवों के किसानों की भूमि इसके निर्माण में जाना है। भूमि अर्जन की जारी अधिसूचना में अपर जिलाधिकारी भूमि अध्याप्ति को सौंपा गया है।एडीएम भूमि अध्याप्ति कौशल किशोर ऐसी किसी अधिसूचना से अनभिज्ञता जताते हैं।जारी अधिसूचना में सक्षम अधिकारी के कालम एडीएम भूमि अध्याप्ति अयोध्या का लिखा है।सदर तहसील के छह व सोहावल तहसील के पांच राजस्व ग्राम के किसानों की जमीन सिक्स लेन के निर्माण में जाना है। सदर तहसील की बरौली, शिवदासपुर, भदोखर, सुक्खापुर इटौरा, नारायनपुर व अकवारा, सोहावल तहसील के पांच राजस्व ग्रामों में खानपुर मसौधा, धर्मदासपुर, अबनपुर सरोहा, पलिया रिसाली व मधुपुर के अलावा बीकापुर तहसील क्षेत्र के चालीस गांवो के किसानों की भूमि का अब अधिग्रहण होना है।बीकापुर के 40 गांवों में भावापुर, जेरूवा, शेरपुर, हरिदासपुर, बबुरिहाकौंधा,जैनपुर, पातुपुर, गुंधौर, वासुदेवपुर, तोरोमाफी, मलिकपुर, उमरी, मानापुर, करनपुर, बसंतपुर, दुवांवा, पूरे लाला किलहना, रूपीपुर, बझना, गोविंदपुर, भवनाथपुर, प्रानपुर, गंड़ई, खजुरहट, प्रतापपुर, बरहुपुर, भैरवपुर टिकरा, नुवावा, बैदरा, रामनगर परोमा, माझा सोनौरा, बैतीकला, तारडीह, इछौरी, बीकापुर, रंडौली, पश्चिमपाली, चौरे चंदौली, कुरेभार रतनपुर, तेंदुआ, नंदरौली व शाहापारा के गांव शामिल हैं।

उन्नाव जंक्शन का अधूरा काम एक साल में पूरा करने के निर्देश

उन्नाव, (संवाददाता)। रेलवे स्टेशन (उन्नाव जंक्शन) के दो साल बाद भी सुंदरीकरण कार्यों में सुस्ती देख उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडेय ने नाराजगी जताई। उन्होंने एक साल में काम पूरा कराने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही टिकट घर में टूटी दीवार की बाहर निकली सरिया की भी मरम्मत कराने के निर्देश स्टेशन अधिकारियों को दिए। उन्नाव जंक्शन में वर्ष 2024 से 29.8 करोड़ से अमृत स्टेशन योजना के तहत सुंदरीकरण के कार्य चल रहे हैं। रविवार दोपहर करीब एक बजे स्टेशन पहुंचे उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडेय ने वेटिंग हॉल, स्वच्छ शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और स्वच्छ पेयजल को लेकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान दो साल बाद भी आधे काम पूरे न होने पर उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के ठेकेदार से नाराजगी जताई। कहा कि एक साल का समय और दिया जा रहा है। इस समयावधि में काम पूरा न हुआ तो कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने टिकट घर का भी जायजा लिया। यहां टूटी दीवार से बाहर निकली सरिया को गंभीर खतरा बताते हुए तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए। कहा कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। महाप्रबंधक ने बताया कि निर्माण कार्यों के शुरुआती चरण में कुछ बाधाएं आई थीं, जिन्हें अब दूर कर लिया गया है। कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। हरदोई ओवरब्रिज पर फुटपाथ ब्रिज की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। उधर, दैनिक यात्री संघ के विधिक सलाहकार मुजतबा हैदर रिजवी भय्यू ने महाप्रबंधक को दिए गए पत्र में कोरोनाकाल में बंद सभी मेमो को संचालन शुरू कराने की मांग की। इसके अलावा कानपुर से अयोध्या के बीच इंटरसिटी, कानपुर से बनारस के बीच पूर्व में चलने वाली वरुणा इंटरसिटी और बनारस से उज्जैन के बीच चल रही महाकाल एक्सप्रेस का स्टॉपेज कराने की भी मांग रखी।

हेराफेरी करने वाले तीन आरोपियों को पूरा कलंदर पुलिस ने किया गिरफ्तार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।थाना पूराकलंदर पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर एवं पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी के निर्देश पर सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी की देख रेख में विवेचना निस्तारण एवं अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही अभियान में थाना प्रभारी मनोज शर्मा एवं जांच कर रहे दरोगा राम राज चौधरी के अथक प्रयास से आधार कार्ड में नाम फोटो एडिट करके दूसरे के खाते से 5 लाख निकालने वाले एक आरोपी तो पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा।एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने इस संबंध में बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपों की पहचान संजय वर्मा पुत्र सहजराम वर्मा निवासी ग्राम निहाल का पुरवा मजरे अरूवांवां थाना पूरा कलंदर जनपद अयोध्या,अंकित यादव पुत्र अमरजीत यादव निवासी ग्राम बरवा बसायतपुर थाना पूरा कलंदर व अनिकेत यादव पुत्र अशोक कुमार यादव निवासी ग्राम पुरे मगन बसावन कला थाना इनायत नगर जनपद अयोध्या के रुप मे हुई। पुलिस के मुताबिक संजय वर्मा पर पहले से ही दर्जनों मुकदमों है और क्षेत्र का माना जाना हिस्ट्रीशीटर भी है वही कई लोगों से ठगी जालसाजी का आरोप है जिसपर दर्जनों अभियोग पंजीकृत है।वही थाने के प्रशिक्षु आई पी एस शिवम जैन एवं मनोज शर्मा एवं दरोगा राम राज चौधरी की टीम ने यह सराहनीय कार्य किया।

चाकू से गले की नस काटकर महिला की हत्या

उन्नाव, (संवाददाता)। मुकुंदखेड़ा गांव में एक महिला की गले की नस चाकू से काटकर हत्या कर दी गई। महिला ने छह माह पहले हिंदू युवक से कोर्ट मैरिज की थी। पुलिस ने पति को हिरासत में लिया है, मौके से चाकू भी बरामद हुआ है। पुलिस ने मायके पक्ष के लोगों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही है। दही थानाक्षेत्र के मुकुंदखेड़ा निवासी विनयदीप की इंस्टाग्रॉम के माध्यम से आजमगढ़ निवासी मुस्लिम युवती सलमा (25) से दोस्ती हुई थी। दोनों में बातचीत शुरू हुई और प्यार हो गया। दोनों एक–दूसरे के साथ रहने को राजी हुए और बात शादी तक पहुंच गई। विनयदीप की मां लक्ष्मी ने बताया कि दोनों ने अक्तूबर 2025 में चोरी छिपे कोर्ट मैरिज शादी भी कर ली। दोनों चोरी–छिपे इधर–उधर किराये के घर में रहने लगे। उधर सलमा के घर वालों ने आजमगढ़ कोतवाली में बेटे के खिलाफ युवती को ले जाने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दिसंबर में जब आजमगढ़ पुलिस उसके घर पहुंची तो इस बात की जानकारी हुई। बेटे से फोन पर बात की तो उसने भी सच्चाई बताई। पुलिस दोनों को साथ लेकर चली गई थी। 25 दिन पहले ही दोनों गांव में घर पर में रहने आए थे। लक्ष्मी के मुताबिक, रविवार को वह अपने पति मुन्नीलाल के साथ गेहूं की फसल काटने गई थी। उस समय सलमा और उसकी सात साल की ननद घर पर थीं। ननद भी काम से बाहर चली गई थी। सलमा की तबीयत सही न होने पर बेटा विनयदीप उसकी दवा लेने बाहर गया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।